बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 56 ● नई दिल्ली ● सोमवार 08 दिसम्बर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

एमटीएच छात्र की आत्महत्या से हड़कंप, सुसाइड नोट में लिखी मार्मिक बातें

नई दिल्ली । दिल्ली के पास ग्रेटर नोएडा में एक हॉस्टल में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस के 25 वर्षीय छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। यह छात्र झारखंड का रहने वाला था, जिसका नाम कृष्णकांत था। पुलिस को शनिवार को उसके हॉस्टल के कमरे में उसका शव मिला। पुलिस को कृष्णकांत के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। इस नोट में छात्र ने बस इतना लिखा था, मैं हार मानता हूं। नोट में आगे लिखा था, कृपया मेरा शरीर और मेरा सामान मेरे परिवार को दे दें। परेशानी के लिए सॉरी। शुरुआती जांच से पता चला है कि कृष्णकांत दूसरे साल का छात्र था और वह कमरे में एक दूसरे छात्र के साथ रहता था।

संसद में वंदे मातरम और चुनावी सुधारों पर होगी चर्चा, जोरदार बहस के आसार

नई दिल्ली। इस हफ्ते संसद में सत्ताधारी बीजेपी और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच बड़ा टकराव देखने को मिलेगा। सोमवार से, संसद में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम और चुनावी सुधारों जैसे दो महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा होगी, जिसमें सभी पार्टियों के सांसद हिस्सा लेंगे।

बहस में शामिल होंगे दिग्गज नेता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बीजेपी की ओर से बहस में शामिल होंगे।

वहीं, विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, अखिलेश यादव, और कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता इन बहसों में अपनी बात रखेंगे।

वंदे मातरम पर चर्चा

सोमवार दोपहर को यह चर्चा लोकसभा में शुरू होगी, जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। कांग्रेस की ओर से उपनेता गौरव गोगोई और वरिष्ठ सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल होंगी। राज्यसभा में यह बहस मंगलवार को होगी, जिसकी शुरुआत गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।

चुनावी सुधारों पर चर्चा

लोकसभा में चुनावी सुधारों पर बहस मंगलवार को शुरू होगी, जिसके बुधवार को खत्म होने की संभावना है। दोनों सदनों में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल बहस का जवाब देंगे।

विवादास्पद मुद्दों पर तीखी बहस की संभावना

माना जा रहा है कि वंदे मातरम और चुनावी सुधारों पर विपरीत विचारों के चलते सदन में तीखी बहस होगी।

वंदे मातरम पर विवाद

प्रधानमंत्री मोदी ने पहले कांग्रेस पर एक वर्ग को खुश करने के लिए वंदे मातरम का पूरा उपयोग न करने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में, कांग्रेस ने मोदी पर तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने का आरोप लगाया है। कांग्रेस रवींद्रनाथ टैगोर के एक पत्र का हवाला देती है, जिसमें कहा गया था कि वंदे मातरम के केवल पहले दो छंदों को ही अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि बाद वाले छंदों में सांप्रदायिक भावनाएं हो सकती हैं। वंदे मातरम, जिसे बंकिमचंद्र चटर्जी ने लिखा था, को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर दर्जा प्राप्त है। यह चर्चा वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में हो रही है।

चुनावी सुधारों पर हमला

विपक्ष इस बहस के दौरान वोट चोरी का मुद्दा उठाने के लिए तैयार है। राहुल गांधी ने पहले ही वोट चोरी के खिलाफ अभियान शुरू किया है और चुनाव आयोग पर चुनावी रोल में हेरफेर करके बीजेपी की मदद करने का आरोप लगाया है। विपक्षी सांसद स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और इसमें शामिल बूथ लेवल अधिकारियों की मौत का मुद्दा भी उठाएंगे। वहीं, बीजेपी की तरफ से एक राष्ट्र, एक चुनाव की जरूरत पर जोर दिया जा सकता है।

दोनों पक्षों में बनी सहमति

यह बहस विपक्ष की कड़ी मांग के बाद तय हुई। पहले विपक्ष ने केवल चुनावी सुधारों के विवादास्पद एसआईआर पर बहस पर जोर दिया था। हालांकि, वंदे मातरम पर भी चर्चा करने और चुनावी सुधारों पर बहस को केवल एसआईआर तक सीमित न रखने पर सहमति बनने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर कांग्रेस का हमला, कहा- मेट्रो को जिम्मेदार ठहराना सरकार की नाकामी

नई दिल्ली । दिल्ली की बिगड़ती हवा, बढ़ते मरीज और सड़कों पर पसरी धूल को लेकर राजधानी की सियासत गर्मा गई है. दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मेट्रो के नाम पर अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश की जा रही है, जबकि असली जिम्मेदार विभागों को अब तक ठोस निर्देश ही नहीं मिले हैं.

मेट्रो निर्माण को लेकर सरकार पर लापरवाही का आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दावा किया कि राजधानी के खतरनाक स्तर तक पहुंचते प्रदूषण में मेट्रो निर्माण की हिस्सेदारी पहले से अधिक है और यह सरकारों की लापरवाही का नतीजा है. उनका कहना है कि कांग्रेस शासन के दौरान मेट्रो निर्माण से निकलने वाली मिट्टी और मलबे की सफाई रातों रात कराई जाती थी. धूल को काबू में रखने के लिए सड़क धुलाई और तुरंत मलबा हटाना आम प्रक्रिया थी. उन्होंने कहा कि अब जब निर्माण कार्य कम हो चुका है और ज्यादातर भूमिगत भी है, तब भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा मेट्रो को सफाई के लिए सख्त निर्देश जारी करना हास्यास्पद है.

प्रदूषण पर मेट्रो नहीं, सरकार सवालों के घेरे में

देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि जब हवा अगले 10 दिनों तक बेहद खराब रहने की चेतावनी पहले से मौजूद है, तब दिल्ली सरकार मेट्रो पर नाकामी का ठीकरा फोड़ रही है. उनका कहना है कि प्रदूषण नियंत्रित करने की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, डीडीए जैसे विभागों की है, जिन्हें अब तक कोई स्पष्ट निर्देश जारी नहीं किए गए. उन्होंने सुझाव दिया कि यदि दिल्ली सरकार भी मेट्रो की तर्ज पर आधुनिक तकनीक अपनाकर धूल, कूड़ा और मलबे का निस्तारण करे, तो प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

रिंग रोड अभियान सिर्फ दिखावा

कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर तंज कसते हुए कहा कि दस महीने बीतने के बाद अब याद आया कि मेट्रो निर्माण भी प्रदूषण में योगदान देता है.

उन्होंने 55 किलोमीटर रिंग रोड को धूल-मुक्त बनाने की घोषणा को जनता के साथ छल बताया. यादव ने कहा कि जुलाई से अक्टूबर तक चला स्वच्छता अभियान ही दिल्ली की गंदगी कम नहीं कर पाया, ऐसे में अब रिंग रोड की धुलाई और वाटर स्प्रिंकलिंग सिर्फ विपक्ष की आलोचना से बचने की कोशिश है.

वायु प्रदूषण के बीच बढ़ते मरीजों पर चिंता

देवेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री को चेताया कि बढ़ते प्रदूषण के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या रोजाना बढ़ रही है. उन्होंने सुझाव दिया कि दिल्ली सरकार को तुरंत अस्पतालों के लिए एडवाइजरी जारी करनी चाहिए. उनके अनुसार राजधानी में लोग सांस लेने में दिक्कत, फेफड़ों की समस्याएं, हृदय रोग, स्ट्रोक के बढ़ते खतरे और आंख-नाक-गले में जलन जैसी तकलीफों से जूझ रहे हैं. हड्डियों में दर्द की शिकायतें भी बढ़ी हैं.

ग्रेप लागू होने के बावजूद 'जमीन पर जीरो एनफोर्समेंट'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ग्रेप लागू करने के बाद भी डीपीसीसी और राय पर्यावरण विभाग इसे लागू करवाने में पूरी तरह विफल रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, एनडीएमसी, दिल्ली छावनी बोर्ड, डीडीएमआरसी, डीडीए समेत सभी संबंधित एजेंसियों के लिए आज तक कोई स्पष्ट स्लक जारी ही नहीं किया. यादव के मुताबिक फिलहाल धूल और मलबा निस्तारण का कोई ठोस तंत्र मौजूद नहीं है, जिसकी मार दिल्ली की हवा और जनता दोनों ही झेल रहे हैं.

महिला क्रिकेटर प्रतिका रावल को दिल्ली सरकार देगी डेढ़ करोड़ रुपये, सीएम रेखा गुप्ता ने बताया- प्रतिभाशाली खिलाड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को क्रिकेटर प्रतिका रावल से अपने आवास पर मुलाकात की और उन्हें डेढ़ करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की।हाल ही में हुए आईसीसी महिला विश्व कप में 308 रन बनाने वाली रावल, लॉरा वोल्वार्ड (571), स्मृति मंधाना (414) और एश्ले गार्डनर (328) के बाद रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर थीं। दिल्ली की यह क्रिकेटर बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गई थीं और सेमीफाइनल और फाइनल मैच नहीं खेल पाई थी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा,मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में, हमने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी प्रतिका रावल का स्वागत किया। हमारी प्रतिभाशाली बेटी प्रतिका ने दिल्ली को गौरवान्वित किया है। खेल के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली सरकार उसे सम्मानित करेगी। गुप्ता ने एक पोस्ट में कहा, रावल को डेढ़ करोड़ रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रावल ऊर्जा, साहस और महिला सशक्तिकरण की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने कहा, उनकी यात्रा दर्शाती है कि दिल्ली न केवल सपनों को जन्म देती है, बल्कि उन्हें उड़ान भरने में भी मदद करती है। उनके उवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली भी इस दौरान उपस्थित थे।

दिल्ली की सैर : जल्द ही डबल डेकर ई बसों से राजधानी का कर सकेंगे दीदार, गाइड से लेकर किराया तक पूरी जानकारी

नई दिल्ली । राजधानी की सड़कों पर इलेक्ट्रिक डबल-डेकर बसें दौड़ेंगी। ये बसें रोजमर्रा की सवारी के लिए नहीं, बल्कि दिल्ली के मशहूर स्थलों की सैर कराने के लिए होंगी। इन बसों को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने पर्यटन विभाग को सौंपा है। ये बसें पहले ओखला डिपो में खड़ी थीं। अब इनकी शुरुआत जल्द हो सकती है। डबल-डेकर इलेक्ट्रिक बसें करीब 9.8 मीटर लंबी और 4.75 मीटर ऊंची हैं। इनमें चालक समेत लगभग 63 यात्री सवारी कर सकते हैं। बसों का किराया वयस्कों के लिए 500 रुपये और 6-12 साल के बच्चों के लिए 300 रुपये तय किया गया है। साथ ही, बसों में एक गाइड भी होगा जो यात्रियों को उन स्थलों की जानकारी देगा, जहां वो जा रहे हैं। बता दें कि पुरानी डबल-डेकर बसें, जिन्हें कभी सुविधा बस कहा जाता था, 1989 में बंद कर दी गई थीं। ई इलेक्ट्रिक डबल-डेकर बसों के लिए सरकार ने तय किया है कि इन्हें सामान्य शहर बस सेवा का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा। दिल्ली की सड़कों, ओवरब्रिज-ओवरहेड तारों, पेड़-पत्तों आदि को देखते हुए, ऐसा करना मुश्किल होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गोवा नाइट क्लब में आग लगने से लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार देर रात गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से लोगों की मौत होने पर गहरा दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। गोवा की राजधानी पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा गांव में स्थित लोकप्रिय पार्टी स्थल 'बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में आग लगने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, ''उत्तरी गोवा जिले में हुई आग लगने की इस दुखद घटना से मुझे गहरी पीड़ा हुई है। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करे। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। गुप्ता ने कहा, ''गोवा के अरपोरा में हुई दुर्घटना का समाचार अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे और उनके परिजनों को इस कठिन समय में संबल दे । मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी प्रार्थना करती हूं। गोवा में आम आदमी पार्टी की प्रभारी आतिशी ने 'एक्स पर कहा कि गोवा सरकार को इस घटना में हुई चूक की तत्काल जांच कर जिम्मेदारी तय करनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने लिखा, ''गोवा में अरपोरा के एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग की खबर अत्यंत दर्दनाक है। इस विनाशकारी हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस की उपनेता सागरिका घोष ने इस घटना को गोवा में ''डबल इंजन शासन मॉडल की पूरी तरह विफलता करार दिया। घोष ने लिखा, ''गोवा के अरपोरा में लगी आग में हुई मौतों की दुखद खबर से स्तब्ध और व्यथित हूं। दिवंगतों के लिए प्रार्थना करती हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं। तृणमूल के राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले ने भी घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''गोवा के अरपोरा में बीती रात आग लगने से लोगों की मौत होने की खबर से अत्यंत व्यथित हूं। मृतकों के परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना।''

विधेयक का मुख्य उद्देश्य उन वस्तुओं पर अतिरिक्त सेस लगाना है जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हैं

वैश्विक स्तर पर भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच गहरा अंतर्संबंध हैं।लंबे समय से यह बहस चलती रही है कि तंबाकू, सिगरेट,शराब और अन्य नशे के उत्पाद देश के स्वास्थ्य ढांचे पर बोझ डालते हैं और इसके कारण सरकारों को स्वास्थ्य सेवाओं पर अत्यधिक व्यय करना पड़ता है।इसी परिप्रेक्ष्य में 5दिसंबर 2025 को लोकसभा ने हेल्थ एंड नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल,2025 को मंजूरी दी,जिसने राजनीतिक हलकों स्वास्थ्य विशेषज्ञों और राज्यों के बीच एक महत्व विमर्श खड़ा कर दिया। मैं एडवोकेट किशन सम्मुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह विधेयक न केवलस्वास्थ्य सुरक्षा पर अतिरिक्त संसाधन जुटाने की कोशिश है,बल्कि यह इस तथ्य को भी स्वीकार करता है कि नशे और स्वास्थ्य संबंधी संकट अंततः राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करते हैं। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य उन वस्तुओं पर अतिरिक्त सेस लगाना है जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है, जैसे सिगरेट, बीड़ी ,पान मसाला गुटखा, शराब और अत्यधिक चीनी वाले पेय। इन उत्पादों के सेवन से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का बोझ वर्षों से बढ़ता जा रहा है और इससे स्वास्थ्य ढांचा पर भारी आर्थिक दबाव पड़ता है। सरकार का दावा है कि यह विधेयक केवल राजस्व बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए बनाया गया है ताकि महामारी, बायो- सिक्योरिटी जोखिम और गैर-संचारी रोगों के बढ़ते खतरे का मुकाबला किया जा सके। सरकार का तर्क है कि कोविड -19 ने साफ कर दिया कि स्वास्थ्य संकट किसी भी समय राष्ट्रीय सुरक्षा संकट में बदल सकता है,इसलिए स्वास्थ्य और सुरक्षा दोनों को एकीकृत दृष्टिकोण से देखना आवश्यक है। विपक्ष का कहना है कि सरकार स्वास्थ्य की आड़ में राजस्व बढ़ाना चाहती है और तंबाकू कंपनियों के सेलिब्रिटी विज्ञापन पर रोक न लगाना इस नीति की मंशा पर सवाल खड़ा करता है।विपक्ष ने लोकसभा में यह भी पूछा कि जब सरकार पान मसाला और सिगरेट पर सेस बढ़ाकर कीमतें महंगी कर रही है तो फिर इन उत्पादों का विज्ञापन अभिनेता और क्रिकेटर क्यों कर रहे हैं। इसके जवाब में सरकार ने कहा कि विज्ञापन संबंधी नए नियम तैयार किए जा रहे हैं और इन उत्पादों के प्रचार पर कठोर प्रतिबंध लगाने पर विचार चल रहा है। सरकार का यह भी कहना है कि कीमतें बढ़ाने का उद्देश्य केवल राजस्व नहीं, बल्कि खपत में कमी लाना है,क्योंकि विश्व स्वास्थ्यसंगठन और विश्व बैंक के कई अध्ययनों में यह सिद्ध हुआ है कि तंबाकू और शराब पर कर बढ़ने से सेवन में उल्लेखनीय गिरावट आती है, विशेषकर युवा वर्ग के बीच। वित्त मंत्री ने भी स्पष्ट किया कि सेस का उद्देश्य लोगों को इन हानिकारक वस्तुओं से दूर रखना है, क्योंकि जैसे ही कीमतें बढ़ती है, खपत स्वाभाविक रूप से घटती है और इसका सकारात्मक स्वास्थ्य प्रभाव सीधे समाज पर पड़ता है। साथियों बात अगर हम इस बिल के मुख्य प्रावधानों की करें तो, बिल के प्रमुख प्रावधान,क्या है 'हेल्थ एंड नेशनल सिक्योरिटी सेस बिल 2025'इस विधेयक का मूलउद्देश्य स्वास्थ्य संरक्षण के लिए अतिरिक्त करधान के माध्यम से एक विशेष कोष तैयार करना है। इसमें उन उत्पादों पर सेस लगाने का प्रस्ताव है जो स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक हानिकारक माने जाते है,जैसे (1) सिगरेट और बीड़ी (2) पान मसाला और गुटखा (3) बिना धुएँ वाला तंबाकू (4) शराब (कुछ उच्च श्रेणी उत्पादों सहित) (5) शीतल पेय जिनमें अत्यधिक चीनी हो (6) वे वस्तुएँ जिनका सेवन गैर-संचारी रोगों को बढ़ाता हैसरकार का प्राथमिक दावा है कि यह सेस किसी सामान्य राजस्व के लिए नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य अवसंरचना, राष्ट्रीय चिकित्सा आपातकाल प्रणाली, महामारी-तैयारी और सीमाई क्षेत्रों की मेडिकल- सुरक्षा को मजबूत करने के लिए है। कोविड-19 के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य संकट तुरंत राष्ट्रीय सुरक्षासंकट में बदल सकता है; इसलिए, इस विधेयक में स्वास्थ्य और सुरक्षा को एकीकृत वित्तीय दृष्टिकोण से देखने की कोशिश की गई है।सेस की राशि सीधे केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए हेल्थ एंड सिक्योरिटी फंड में जमा होगी।इससे जुड़े प्रावधानों में शामिल है (1) राज्यों को उनके स्वास्थ्य खर्च के अनुपात के आधार पर अनुदान (2) राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए मेडिकल प्रावधान (3) महामारी- निगरानी और बायो- सिक्योरिटी संरचना को मजबूत करना (4) कैंसर एसयोडी और तंबाकू-जनित रोगों के लिए विशेष कार्यक्रम साथियों बात अगर हम कोविड- 19 के दौरान देश ने कुछ देखा इसको समझने की करें तो शराब और सिगरेट जैसी वस्तुएँ पाँच से दस गुना ऊँची कीमत पर भी बिक रही थीं, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि इन वस्तुओं की लत मांग को कृत्रिम रूप से ऊँचा बनाए रखती है, लेकिन साथ ही यह भी पाया गया कि कीमतें बढ़ने से नए उपभोक्ता इससे दूर रहते हैं। महामारी के अनुभव ने सरकार को यह सोचने पर मजबूर किया कि नशे की वस्तुओं की बिक्री को नियंत्रित करना और उनकी खपत को कम करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है। इसीलिए इस विधेयक के माध्यम से सरकार केवल करधान ही नहीं,बल्कि निगरानी प्रणाली मजबूत करने, अवैध तंबाकू और शराब की आपूर्ति रोकने, स्वास्थ्य शिक्षा बढ़ाने और नशामुक्ति कार्यक्रमों का विस्तार करने पर भी जोर दे रही है। साथियों बात अगर हम विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार स्थिति को समझने की करें तो हर वर्ष विश्वभर में लगभग 80 लाख लोग धूम्रपान के कारण समय से पहले मरते हैं और इनमें से 10 लाख लोग वे होते हैं जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते, बल्कि दूसरों के धुएँ का शिकार बनते हैं। भारत में स्थिति और भी गंभीर है, जहाँ हर वर्ष धूम्रपान से 10 लाख और अन्य तंबाकू उत्पादों के कारण कुल मिलाकर लगभग 13.5 लाख मौतें दर्ज की जाती हैं। ये आँकड़े बताते हैं कि भारत एक ऐसी स्थिति में है जहाँ तंबाकू किसी महामारी की तरह फैल चुका है और इसके विरुद्ध कठोर नीतियाँ आवश्यक हैं। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के एक अध्ययन के अनुसार,एक सिगरेट पीने से जीवन के लगभग 20 मिनट कम हो जाते हैं और यदि कोई व्यक्ति दस वर्षों तक प्रतिदिन दस सिगरेट पीता है तो उसकी जीवन प्रत्याशा लगभग 500 दिन कम हो जाती है। यह अध्ययन दर्शाता है कि तंबाकू केवल एक आदत नहीं बल्कि जीवन को तेज़ी से समाप्त करने वालाजोखिम है और इससे देश की कार्य-क्षमता, उत्पादकता और आर्थिक विकास पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। साथियों बातें कर हम अब यदि यह प्रश्न उठता है कि क्या यह विधेयक केवल पैसा जुटाने का साधन है इसको समझने की करें, तो इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं दिखाई देता है।इस बिल में दोहरे उद्देश्य सम्मिलित है,एक स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए वित्तीय संसाधन जुटाना, और दूसरा तंबाकू और नशे की वस्तुओं के उपयोग को नियंत्रित कर लोगों को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना। सरकार ने तंबाकू-निषेध कार्यक्रमों, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता अभियान, सामाजिक मीडिया पर स्वास्थ्य चेतावनियों, सेलिब्रिटी विज्ञापन पर नियंत्रण, अवैध सप्लाई चेन पर कठोर दंड और नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार करने की योजना बनाई है। इसके साथ ही तंबाकू उगाने वाले किसानों को वैकल्पिक फसलों की ओर प्रेरित करने का प्रावधान भी किया जा रहा है ताकि आर्थिक रूप से वे प्रभावित न हों।चूंकि तंबाकू और शराब से संबंधित कई कर व्यवस्था राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि राज्यों पर इस बिल का प्रभाव महत्वपूर्ण होगा। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकारों की आर्थिक स्थिति को नुकसान न हो, इसके लिए कम्पेनसेशन ग्रांट का प्रावधान किया गया है। इस कानून से राज्यों के स्वास्थ्य बजट को भी लाभ होगा क्योंकि केंद्रीय हेल्थ एंड सिक्योरिटी फंड से राज्यों को उनकी जरूरत और स्वास्थ्य मूल्यांकों के आधार पर धन उपलब्ध कराया जाएगा। यह भी अपेक्षित है कि केंद्र और राज्यों के बीच अवैध शराब, नकली तंबाकू, स्वास्थ्य कार्यक्रम और सेफ्टीबंध तंत्र को लेकर बेहतर समन्वय स्थापित होगा। साथियों बात अगर हम विश्व में नशा मुक्ति वातावरण उत्पन्न करने की करें तो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशे जैसे तंबाकू, शराब, ड्रग्स, सुपारी, ई-सिगरेट, सिंथेटिक पदार्थ तथा अन्य व्यसनी पदार्थ आज समाज में गहरी जड़ें जमा चुके हैं। इन पर रोक लगाने के लिए सरकारें अनेक कठोर कानून, दंड और प्रतिबंध लागू करती रही हैं, परंतु केवल कानून बनाने से समस्या का समाधान पूर्ण रूप से संभव नहीं हो पाता। नशे की प्रवृत्ति ऊपर से नीचे मिलीभगत, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक परिस्थितियों से भी गहराई से जुड़ी होती है, जिसके कारण केवल दंडात्मक प्रावधान कई बार वास्तविक बदलाव लाने में पर्याप्त नहीं होते।इसके विपरीत जनजागरूकता एक ऐसा सशक्त माध्यम है जो व्यक्ति की सोच और व्यवहार को मूल स्तर पर प्रभावित करती है।

सम्पादकीय...

गहलोत प्रेम

पिछले दिनों कांग्रेस के युवा नेता सचिन पायलट राजस्थान के अपने कुछ समर्थक नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने पहुंचे। मीटिंग की शुरूआत में ही खड़गे ने पायलट से स्पष्ट कर दिया कि 'आप राजस्थान में कांग्रेस को और सक्रिय करने की बात करें, पर अशोक गहलोत के खिलाफ कृपया शिकायतों का पिटारा न खोलें, पिछले कुछ समय में मैं आपसे कम से कम चार बार मिला हूं और आपने हर बार ऐसा ही किया है, आपकी बात अशोक गहलोत से शुरू होकर उन्हीं पर खत्म हो जाती है। इस बारे में हमें भाजपा से सीखना चाहिए कि वहां पार्टी शीर्ष व्यक्तिगत आलोचनाओं को बर्दाश्त नहीं करता।' खैर, जैसे-तैसे यह मीटिंग खत्म हुई और ये नेतागण बाहर निकले तो सचिन पायलट के साथ इस बैठक में शिरकत कर रहे राजस्थान के एक विधायक के फोन पर अशोक गहलोत का फोन आ धमका-दूसरी ओर से गहलोत ने एक चेतावनीपूर्ण लहजे में अपनी पार्टी के विधायक से कहा- 'जब अगली बार आपका टिकट अटक जाए तो कृपया मदद के लिए मुझे मत फोन करियेगा।' विधायक बस इतना ही कह पाए-'सर, मुझे तो अध्यक्ष जी से मिलना था इसीलिए गया था मैं वहां ?' अब तक सचिन यह सारा माजरा समझ चुके थे कि कैसे उनकी पार्टी में अब भी बुजुर्गों का ही बोलबाला है। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से ठीक पहले राहुल गांधी कांग्रेस के 4-5 फायर ब्रांड नेताओं से मिले जिसमें सचिन पायलट, गौरव गोगोई, दिनेश गुंडूराव और दिल्ली के कुछ युवा नेता शामिल थे। कहते हैं बातों-बातों में राहुल ने बताया कि उन्हें यह गलतफहमी थी कि मोदी 26-27 में राजनीति से संन्यास लेकर पीएम पद छोड़ देंगे, अब तो लगता है कि हमें 2029 और 2034 लोकसभा चुनावों में सीधे मोदी से ही भिड़ना होगा। इन युवा नेताओं ने राहुल से जानना चाहा कि ऐसी अधूरी सियासी जानकारियां उन्हें कौन उपलब्ध कराता है, तो फिर बातों ही बातों में योगेंद्र यादव और अनिल जयहिंद के नाम उभर कर सामने आए। जयहिंद आल इंडिया ओबीसी कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और शरद यादव को अपना राजनीतिक गुरु मानते रहे हैं। इन युवा नेताओं को तब समझ में आया कि पूरे बिहार चुनाव में राहुल केवल 'पिछड़ा' राग ही क्यों अलाप रहे थे। फिर तय हुआ कि कांग्रेस को वामपंथी रुझानों से अलहदा मध्यमार्गी राह अपनानी है। बैठक में मौजूद दिल्ली के एक प्रभावशाली नेता ने बेलाग राहुल से कहा कि 'गांधी सरनेम' अब से पहले हमारा 10 फीसदी वोट बढ़ा देता था, पर पिछले कुछ चुनावों से यह प्रवृत्ति भी ओझल हो गई है। गांधी नाम से पार्टी एकजुट बनी रहती थी, पर अब तो इस अवधारणा को भी झटका लगा है, धीरे-धीरे लोग पार्टी छोड़ रहे हैं। हमें नए सिरे से इन बातों पर विचार करना होगा। आप पार्टी नेताओं से वादे करके मुकर जाते हैं। छत्तीसगढ़ में सिंहदेव साहब को सीएम नहीं बनाने से पार्टी को इसका नुकसान उठाना पड़ा, अभी कर्नाटक में अब वादा करके डीके को नहीं बनाएंगे तो हाईकमान के वचन से नेताओं का भरोसा उठेगा।' राहुल ने चुप रह कर पार्टी के इस पुराने नेता की बातों को ध्यानपूर्वक सुना, पर कहा कुछ भी नहीं। त्याग, तपस्या, समर्पण की बात हुई पुरानी, अब संघ के नेताओं ने 'चार्वाक दर्शन' अपनाने की है ठानी। संघ के एक शीर्ष नेता की बंगलुरु के पॉश कोर मंगला इलाके में एक शानदार बिल्डिंग का निर्माण हुआ जिसका एक फ्लोर नेताजी के नाम पर है, दूसरा उनके भाई और तीसरा फ्लोर इनकी बहन के हिस्से आया है। इस भवन के निर्माण में एक स्थानीय भाजपा विधायक का सक्रिय समर्थन मिला है, जिनकी अपनी एक भवन निर्माण कंपनी है। इस पूरी संपत्ति को एक फैमिली संचालित ट्रस्ट की परिधि में दिखलाया गया है। पिछले कुछ समय से उनकी तबियत थोड़ी नासाज चल रही थी, वे एम्स के डॉक्टरों की गहन निगरानी में थे, घर पर ही आराम फरमा रहे थे, दवाईयों और दुआओं का असर साफ हुआ, उनके स्वास्थ्य में एक निरंतर सुधार आता दिखा, बातों ही बातों में इस नश्वर शरीर को छोड़ने से एक रोज पहले ही उन्होंने फोन पर बताया था कि 'अब वे ठीक हो रहे हैं और इस दस दिसंबर से डॉक्टरों ने उनकी अधिकांश दवाईयां बंद कर देने को कहा है।' पर किसको इस बात का इल्म था कि सब छोड़-छाड़ कर वे 4 दिसंबर को इस इह लोक से कूच कर जाएंगे। ठीक होने के क्रम में वे अपने कई मित्रों से आजकल में मिलने का वादा भी कर चुके थे, आमतौर पर वाद्यनिलापी उनकी कवायद में शुमार नहीं थी, पर इस बार कुछ ऐसा हुआ जिसकी कल्पना नहीं की गई थी। नई दिल्ली के लोदी रोड स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर उनकी सबसे पसंदीदा जगहों में शुमार था, पर उनकी दिवंगत पत्नी सुषमा स्वराज संघ के पोषित विचारों में पली-बढ़ी थीं, उनकी पुत्री बांसुरी स्वराज आज नई दिल्ली से भाजपा की सांसद हैं। बावजूद इसके उन्होंने अपने मन के एक कोने में अपनी समाजवादी सोच को उतना ही अक्षुण्ण रखा था। उन्हें शाहजहां रोड स्थित संघ लोक सेवा आयोग की पिछली लेन में अवस्थित चाट वाले से आलू टिक्की और भल्ले-पापड़ी अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे ही खाना भी बहुत पसंद था। कोई तीन दशक तक नई दिल्ली का 8, सफदरजंग लेन ही उनका आशियाना रहा था, जो लुटियंस जोन का एक आलीशान बंगला है, जहां एक खूब बड़ा लॉन भी है। 2019 में जब अपने स्वास्थ्यगत कारणों से सुषमा स्वराज जी ने लोकसभा चुनाव लड़ने से मना कर दिया तो केंद्र में दोबारा बीजेपी शासन के आसीन होने के महज 15 दिनों के अंदर स्वराज दंपति ने अपना सरकारी घर खाली कर जंतर मंतर स्थित चन्द्रलोक बिल्डिंग के एक छोटे से फ्लैट में शिफ्ट हो गए। स्वराज कौशल ने उन नई परिस्थितियों में भी खुद को बहुत तेजी से ढाल लिया। उन्हें साहित्य और इतिहास इन दो विषयों में गहरी अभिरुचि थी, पंजाबी साहित्य का भी उन्हें गहन अध्ययन था। उनकी एक अधूरी हसरत रह गई कि वे चाहते थे कि उनकी पत्नी के जीवन पर आधारित एक फीचर फिल्म का निर्माण हो, इधर वे एक पुस्तक लिखने पर भी विचार कर रहे थे, सो इन दिनों वे अपने ऑफिस पर ज्यादा से ज्यादा साहित्य, संस्कृति और इतिहास के बारे में पढ़ रहे थे, पर स्वराज कौशल के जाने से कई अनकहे किस्सों का खजाना भी उनके साथ ही चला गया है। राजस्थान के एक उत्साही भाजपा सांसद जो केंद्र में मंत्री बनने को आतुर हैं, पिछले दिनों उनकी मुलाकात भाजपा चाणक्य से हुई। सांसद महोदय ने अपने मन के उद्गार व्यक्त किए तो भाजपा के इस प्रमुख नेता ने जवाब में कहा कि फिलहाल उनके मंत्री बनने का कोई चांस नहीं है, क्योंकि अभी कैबिनेट फेरबदल होना नहीं है। जब इस मई में सरकार के दो वर्ष पूरे हो जाएंगे तब एक बड़ा फेरबदल संभव है, तब हम आप के बारे में सोच सकते हैं। यानी मोदी मंत्रिमंडल का अगला फेरबदल मई में, इंतजार कीजिए तब तक।

नई विश्व व्यवस्था का शंखनाद

अमेरिका और यूरोप की धमकियों, प्रतिबंधों और कूटनीतिक चालों को धत्ता बताते हुए रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने भारत का दौरा किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रोटोकोल तोड़कर जिस ढंग से अपने मित्र का स्वागत किया उससे पूरी दुनिया दंग रह गई। पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी की शिखर वार्ता के बाद जो संयुक्त बयान जारी किया गया उसका एक-एक शब्द इस बात का प्रमाण है कि दो सबसे पुराने दोस्त देशों ने अमेरिका और पश्चिम देशों की छाती पर मूंग दलते हुए एक नई विश्व व्यवस्था का शंखनाद कर दिया है। पूरी दुनिया के सामने भारत और रूस बहुध्रुवीय विश्व के सबसे बड़े शिल्पकार बन चुके हैं। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दादागिरी को सीधा चैलेंज है जो दुनिया को अपने इशारों पर नचाना चाहते हैं। पुतिन की भारत यात्रा एक राजनीतिक जीत भी है। पश्चिमी प्रतिबंधों और अन्तर्राष्ट्रीय अलगाव का सामना कर रहे एक राजनीतिज्ञ के लिए यह एक बड़ी सफलता है जो दर्शाता है कि यूक्रेन पर हमला करके और उसे तहस-नहस करने के बावजूद पुतिन को अन्तर्राष्ट्रीय वैधता प्राप्त है। पुतिन की भारत यात्रा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का भी संकेत देती है। दोनों नेताओं ने यह दिखा दिया है कि भारत और रूस की दोस्ती ऐसा अटूट जोड़ है जो किसी भी भू-राजनीतिक तूफान से टूटने वाला नहीं है। वर्ष 2025 इसलिए भी खास है कि यह दोनों देशों की साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ है। राजनीतिक साझेदारी की शुरूआत सन् 2000 में हुई थी जब पुतिन पहली बार राष्ट्रपति के तौर पर भारत आए थे। यह साझेदारी 25 वर्ष में वटवृक्ष का रूप ले चुकी है। इससे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वहां की सेना के प्रमुख मुनीर के होश उड़ गए हैं। भारत-रूस संयुक्त बयान के 70 बिन्दु हैं। अगर इन बिन्दुओं का विश्लेषण किया जाए तो संयुक्त वक्तव्य ऐसा रोड मैप है जो भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए तैयार किया गया है। अगर सैन्य शक्ति की बात की जाए तो रूस ने डिफेंस, स्पेस, परमाणु ऊर्जा के मोर्चे पर भारत का हाथ थाम लिया है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत के लिए अपने व्यापार और निवेश में संतुलन और स्थिरता लाना बहुत जरूरी है। भारत के सामने अब नए विकल्प खोजने की चुनौती भी है। भारत और रूस ने पहले से चली आ रही आर्थिक और व्यापारिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए पांच वर्षीय आर्थिक योजना पर सहमति बनाई है। जबकि भारत ने रूसी नागरिकों को 30 दिन के लिए मुक्त ई टूरिस्ट वीजा देने का ऐलान किया है।

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर जो सहमति बनी है वह डॉलर के वर्चस्व को सीधी चुनौती है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डालर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है और यह व्यापार रूब्ल और रुपए में होगा। डॉलर की इसमें कोई भूमिका नहीं होगी। दोनों देश अपनी पेमेंट सिस्टम को जोड़ेंगे। भारत का यूपीआई और रूस का एमआईआर या अन्य सिस्टम जुड़कर काम करेंगे। इससे अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की कोई कीमत नहीं रहेगी और बिना किसी रोक-टोक के व्यापार होगा। तेल के मुद्दे पर पुतिन का यह ऐलान कि वह भारत को बिना रोक-टोक के तेल की सप्लाई जारी रखेगा। ट्रंप को चिढ़ाने के लिए काफी है। रूस ने भारत को गैस और फर्टिलाइजर की सप्लाई की गारंटी भी दी है। कुडनकुलाम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के काम में तेजी लाने के लिए रूस को दूसरी साइट आवंटित करने पर भी सहमति बनी है। रक्षा क्षेत्र हमेशा से भारत-रूस संबंधों की रीढ़ रहा है लेकिन इस बार कहानी बदल गई है। अब भारत सिर्फ खरीदार नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को रूस ने अपना पूरा समर्थन दे दिया है। संयुक्त बयान के पैराग्राफ 28 से 31 में साफ लिखा है कि अब रिश्ता 'खरीद-फरोख्त' से आगे बढ़कर 'को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन' (सह-विकास और सह-उत्पादन) पर आ गया है। रूस ने वादा किया है कि वह भारत में ही अपने हथियारों के स्पेयर पार्ट्स, कंपोनेंट्स और एग्रीगेट्स का निर्माण करेगा। मोदी और पुतिन ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की बात कही है। पहलगाम हमले और मास्को के क्रोकस सिटी हाल हमले की निन्दा करते हुए पाकिस्तान को भी सीधे-सीधे चेतावनी दे दी है। अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते इस समय अनिश्चितता के दौर में हैं और भारत को भी इस बात का ऐहसास है कि ट्रंप की प्राथमिकताएं अब काफी अलग हो चुकी हैं। ट्रंप क्वाड शिखर सम्मेलन में भी शामिल नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी सितम्बर में अमेरिका नहीं गए। फिर आसियान सम्मेलन में भी नहीं गए। ऐसी स्थिति में भारत का पुराने भरोसेमंद साझेदार रूस की ओर रुख करना अप्रत्याशित नहीं है। भारत की विदेश नीति एक परिपक्व और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाती है। भारत ने हमेशा स्वतंत्र रास्ता ही चुना है। आने वाले समय में ट्रंप नई चुनौतियां खड़ी कर सकते हैं। इतना तय है कि अमेरिका और पश्चिम देश इस घटनाक्रम से काफी असहज हैं। भारत के लिए रूस इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस चीन के विस्तारवाद को संतुलित करने में मदद करता है। बहुध्रुवीय दुनिया में नई चुनौतियों का सामना करने के लिए रूस और भारत का अटूट बंधन बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। दोनों देशों के संबंध का सफर 8 दशक पुराना है और दोनों ने हमेशा ही एक-दूसरे के लिए दरवाजे खुले रखे हैं। पुतिन की यात्रा से संबंधों को नया आयाम मिला है।

एयरपोर्ट पर यात्रियों का दर्द

अलग-अलग एयरपोर्टों पर अगर लगभग एक लाख से ज्यादा यात्री केवल फ्लाइटें न उड़ने की वजह से फंसे रहे तो उनकी हालत क्या होगी? अगर एयरपोर्टों पर यात्रियों की भीड़भाड़ में किसी को पानी की बोतल के लिए सौ रुपया देना पड़े और किसी पिता को अपनी बच्ची के सेनेट्री पेड के लिए एयरपोर्ट पर मिन्नत करनी पड़े। इंडिगो एयरलाइंस के ऑपरेशनल सिस्टम के बिगड़ जाने से पिछले पांच दिन में लगभग 2000 से ज्यादा फ्लाइटें रद्द कर दी गईं। 25-25 घंटे तक लोग एयरपोर्टों पर फंसे रहने के बाद वापस घर पहुंच रहे हैं। लोगों ने वीडियो भेजे और वीडियो काल करके एयरपोर्ट पर अपने हालात दिखाए। लोगों का दर्द जब छलकता है तो आंसू निकल आते हैं। ऐसी कोई भी एयरलाइंस हो उसके खिलाफ सख्त एक्शन होना चाहिए। सोशल मीडिया पर अनेक लोगों ने लिखा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि इंडिगो एयरलाइन ने लाखों यात्रियों को पिछले पांच दिनों से बंधक बनाकर रख दिया है। इनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। अब कहीं जाकर सरकार ने लाखों लोगों की टिकट का रिफंड करने के लिए इंडिगो को कहा है लेकिन नियमों के चलते इंडिगो ने जो खेल लोगों को सुविधा देने के नाम पर खेला उसे लेकर इनके खिलाफ एक्शन तो बनता है। हालत यह है कि दिल्ली से जयपुर का टिकट 90000 में बिक रहा है, दिल्ली से मुंबई का टिकट 70000 रुपये पर पहुंच गया। लोग दस गुना कीमत ज्यादा देकर अपने गंतव्य पर अगर पहुंच रहे हैं तो ज्यादा किराया वसूलने वालों पर भी एक्शन होना चाहिए। सारे एयरपोर्ट यात्रियों की भीड़ का ऐसा नजारा पेश कर रहे हैं मानो कोई लोकल बस अड्डा हो। दिल्ली एयरपोर्ट पर हजारों लोग जमीन पर ही सामान समेत बैठे रहे लेकिन इंडिगो ने 24 घंटे तक उन्हें कोई सूचना नहीं दी तो क्यों? इंडिगो संकट के चलते कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक हर बड़े एयरपोर्ट चाहे वह दिल्ली, बैंगलुरु, चैन्नई, जयपुर, मुम्बई या कोलकाता हो इंडिगो की उड़ानें रद्द होती गईं और हजारों लोग एयरपोर्ट पर फंस गए। ऑपरेशनल सिस्टम बिगड़ चुका है लेकिन बेचारे लोग भारी कीमत देकर भी यात्रा नहीं कर पाते हैं तो सारा कसूर इंडिगो का है और कड़ा एक्शन उससे भी ज्यादा जरूरी है। इन हवाई यात्रियों को इंडिगो की तरफ से ना कोई मदद मिल पाई है, ना ही उड़ान से संबंधित कोई सटीक जानकारी मिल पा रही है। कुछ एयरपोर्ट्स पर हालात ये हैं कि खाना, पानी और जरूरी सामानों के लिए यात्रियों और इंडिगो एयरलाइन के स्टाफ में झड़प भी हो गई। डीजीसीए के नए नियम ये थे कि 7 दिन लगातार काम करने के बाद फ्लाइट स्टाफ को 2 दिन की छुट्टी दी जाए। नाइट लैंडिंग की अधिकतम सीमा 6 से कम करके 2 कर दी गई। नाइट लैंडिंग से मतलब ये है कि रात की शिफ्ट में फ्लाइट स्टाफ को अलग-अलग एयरपोर्ट्स पर कितनी बार लैंड करवाया गया। इसके अलावा फ्लाइट स्टाफ की नाइट शिफ्ट को लगातार 2 रातों से ज्यादा ना करने के लिए कहा गया। लंबी उड़ानों के बाद पायलट को कम से कम 24 घंटे का आराम अनिवार्य किया गया। नाइट शिफ्ट की टाइमिंग भी रात 12 से सुबह 6 बजे तक कर दी गई, पहले ये 5 बजे तक थी। लाखों लोग एयरपोर्ट पर फंस गए हैं। इन नियम को लागू करने का असर ये हुआ कि इंडिगो एयरलाइंस के पायलट और क्रू की संख्या अचानक कम हो गई।

बिहार : नयी सरकार का 'उपहार', ग़रीबों पर बुलडोज़र की मार!

अनिल अंशुमन

इन दिनों पूरे बिहार में जगह जगह महिलाओं के ऐसे विलाप, उन सभी स्थलों पर साक्षात् देखा जा सकता है, जहां जहां पुलिस की लाठी-बंदूकों के बीच प्रशासन का बुलडोज़र गरीबों के झोंपड़ों को ढाह रहा है। घर नहीं तोड़ने के लिए अफसरों के आगे 'रो-कलपकर' घर नहीं तोड़ने की फरियाद करतीं तो कहीं पुरुष पुलिसवालों की लाठियों की मार झेलतीं असहाय गरीब महिलायें। पुलिस-प्रशासन का भी इनके प्रति ऐसा तिरस्कार और संवेदनहीन रवैया, मानो किसी दुश्मन देश के लोग हों। जिन्हें इस ठंड मौसम में घर तोड़कर उन्हें बाल-बच्चों के साथ खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर बनाया जा रहा है। कुल मिलाकर कहा जाय तो संविधान की शपथ लेकर सत्तासीन हुई बिहार की नयी सरकार का पहला उपहार, पूरे प्रदेश में युद्ध शैली से गरीबों की झोंपड़ियों और फुटपाथी दुकानदारों पर बुलडोज़र की मार। वाकई ये भयावह विडंबना जैसा है कि महज चन्द दिनों पहले ही राज्य के गरीबों से वोट लेने के लिए- रफ्तार पकड़ चुका है बिहार का नारा देकर गरीबों को दस हज़ार रुपए देकर विकास का वादा किया गया था। लेकिन आलम यह है कि जिस समय प्रदेश की नयी विधानसभा के रुपहले मंच पर नए जनप्रतिनिधियों का शपथग्रहण समारोह किया जा रहा होता है ठीक उसी समय में पूरे प्रदेश के गरीबों के घर-दुकान-ठेलों पर हर जगह बुलडोज़र चल रहा होता है। इधर सदन में जिस जनता के वोटों से विजयी बने माननीय लोग हंसी-ठहाकों के साथ बधाईयाँ लेने-देने के शोरो-गुल में मस्त हैं, उधर, ऐन उसी समय में माननीयों को वोट देकर जिताने वाली गरीब जनता की चीखें,विलाप और आर्तनाद गूँज रहे होते हैं। लेकिन कोई भी माननीय पल भर में बेघर बार बना दिए लोगों से उनका हाल-समाचार देखने-पूछने नहीं जाता है। ऐसा नज़ारा प्रचंड बहुमत देनेवाली जनता पहली बार देख रही है। भाकपा माले ने नयी विधानसभा के शुरू होने वाले दिन 3 दिसंबर को पूरे राज्य में गरीबों पर बुलडोज़र चलाये जाने के विरोध में 'राज्यव्यापी प्रतिवाद' प्रदर्शित करते हुए, बुलडोज़र राज नहीं चलेगा! का ऐलान किया। विपक्ष के अनुसार ये सारा तांडव राज्य के नए गृहमंत्री के मंत्रालय के आदेश से पूरे प्रदेश के गरीबों पर मचाया जा रहा है। जिन्होंने गृहमंत्री बनने से पहले चुनाव में ये ऐलान किया था- हमारी सरकार बनते ही, अपराधियों के सीने पर बुलडोज़र चलेगा। लेकिन अपराधियों पर तो कहीं कुछ होता नज़र नहीं आ रहा, अलबत्ता गरीबों के घरों पर बुलडोज़र चलने का भयावह नज़ारा हर ओर दीख रहा है। सभी जगहों पर हथियारबंद पुलिस जवानों के घेरे में खड़े प्रशासन के आला अधिकारी किसी की कोई फरियाद नहीं सुन रहे हैं और धमका रहे हैं कि- ये सब हाई कोर्ट का आदेश से हो रहा है, तुमलोग जितनी जल्दी हो खाली करके हट जाओ तो अच्छा रहेगा। गरीबों की झोंपड़ियों और फुटपाथ दुकानदारों पर बुलडोज़र चलाते हुए दिए जा रहे तर्कों का ही दुहराव करते हुए विधान सभा में सरकार के मंत्री दो-टूक अंदाज़ में यही कहकर पल्ला झाड़ ले रहे हैं कि- कानून का राज चल रहा है, इसलिए कोर्ट के आदेश को लागू किया जा रहा है। उधर नवनियुक्त राज्य के गृहमंत्री जनता द्वारा बुलडोज़र बाबा नाम दिए को खारिज करते हुए कह रहे हैं- परेशानी उनको हो रही है जो अवैध ढंग से सरकारी ज़मीनों पर कब्ज़ा किये हुए हैं किसी को नहीं छोड़ा जाएगा। हर जगह लोग भौंचक्का हैं, क्योंकि सबने यही आस लगा रखी थी कि- अब सरकार बन गयी है तो विकास के सारे वादे पूरे होंगे। अचानक से पुलिस की लाठी-बंदूक के पहरे में बुलडोज़र द्वारा बरसों-बरस से बसे गरीबों के घर ढाह दिए जाने का अंदाज़ा किसी को नहीं था। राज्य के गरीबों पर चल रहे बुलडोज़र के खिलाफ 3 दिसंबर को हुए राज्यव्यापी विरोध अभियान के तहत पूरे प्रदेश में भाकपा माले के आह्वान पर व्यापक प्रतिवाद हुआ। हर जगह बुलडोज़र राज नहीं चलेगा, बुलडोज़र नहीं पर्चा दो- रोटी रोटी की सुरक्षा दो के नारों के साथ जिला अधिकारी के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया गया। राजधानी पटना स्थित 'विरोध प्रदर्शन स्थल', गर्दनीबाग में प्रतिवाद-धरना को संबोधित करते हुए माले विधायक दल नेता अरुण सिंह ने भाजपा-जदयू सरकार पर राज्य के गरीबों-महिलाओं से विश्वासघात करने का आरोप लगाया। कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान महागठबंधन और माले ने सबको बार बार चेताया था कि- बिहार में यूपीवाला बुलडोज़र-राज नहीं आने देना है। आज वह पूरी तरह से सच साबित हो रहा है। चुनाव आयोग और एसआईआर का इस्तेमाल जनादेश हथियाने वाली इस सरकार ने आते ही फिर से दिखला रही है कि वह गरीब-विरोधी और अमीरों की सरकार है। शहरों में अमीरों के फायदे के लिए छोटे व फुटपाथ दुकानदारों को उजाड़कर मॉल कल्चर थोपने पर आमादा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माले विधायक संदीप सौरभ ने नयी सरकार के जनविरोधी रवैये का तीखा विरोध करते हुए कहा कि- वादा किया था कि सरकार में आयेंगे तो गरीबों को दो लाख रुपये देंगे। जिसे पूरा करने की बजाय अब वह गरीबों की पीठ में खंजर घोंपकर उन्हें उजाड़ रही है। यह गरीबों के साथ क्रूर मज़ाक कर रही है। वोट के लिए दस हज़ार के झांसे कि शिकार महिलाएं आज हर जगह कह रहीं हैं- पहले मालूम रहता कि मोदी-नीतीश दस हज़ार देकर हमारा घर ही उजाड़ देंगे तो झाड़ू से बुहार देते। बहरहाल, ताज़ा हालात यही हैं कि नयी सरकार द्वारा आनन-फानन में पूरे राज्य में बुलडोज़र चलाकर गरीबों और फुटपाथ दुकानदारों को उजाड़े जाने का मुद्दा काफी तेज़ी से तूल पकड़ता जा रहा है। जगह जगह लोग सड़कों पर तीखा विरोध कर रहे हैं। भाकपा माले समेत महागठबंधन ने बुलडोज़र राज नहीं चलेगा का ऐलान करते हुए भाजपा-जदयू की डबल इंजन सरकार को आगाह किया है कि वह अपने पूर्व के फैसले कि- बिना वैकल्पिक व्यवस्था किये और पुनर्वास के वह गरीबों को नहीं उजाड़ेगी, पर मजबूती से अमल करे। अन्यथा पूरे राज्य में गरीबों का एक बड़ा आन्दोलन खड़ा कर इस सरकार के बुलडोज़र को रोकने का जनदबाव पैदा किया जाएगा।

बहरहाल, ताज़ा हालात यही हैं कि नयी सरकार द्वारा आनन-फानन में पूरे राज्य में बुलडोज़र चलाकर गरीबों और फुटपाथ दुकानदारों को उजाड़े जाने का मुद्दा काफी तेज़ी से तूल पकड़ता जा रहा है। जगह जगह लोग सड़कों पर तीखा विरोध कर रहे हैं। भाकपा माले समेत महागठबंधन ने बुलडोज़र राज नहीं चलेगा का ऐलान करते हुए भाजपा-जदयू की डबल इंजन सरकार को आगाह किया है कि वह अपने पूर्व के फैसले कि- बिना वैकल्पिक व्यवस्था किये और पुनर्वास के वह गरीबों को नहीं उजाड़ेगी, पर मजबूती से अमल करे। अन्यथा पूरे राज्य में गरीबों का एक बड़ा आन्दोलन खड़ा कर इस सरकार के बुलडोज़र को रोकने का जनदबाव पैदा किया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार पैसारी ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पैरामाउंट एक्स., दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार पैसारी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/08863)

सीएम योगी ने एसआईआर फॉर्म की धीमी गति पर विधायकों से किया सवाल, बूथों का करें निरीक्षण

प्रयागराज।

प्रयागराज एयरपोर्ट पर सुबह के मुखिया ने विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज एयरपोर्ट पर विधायकों से सवाल-जवाब किए। उन्होंने शहर की तीनों विधानसभाओं में एसआईआर की उल्लेखनीय प्रगति न होने पर विधायकों से कहा कि इस अभियान को गंभीरता से लिया जाए। विधायक अपनी विधानसभा के बूथों का निरीक्षण करें और जिन लोगों ने अब तक एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है, उनसे आग्रह किया जाए कि वे फॉर्म भरें। प्रयागराज में एक वैवाहिक समारोह में शिरकत करने के बाद एयरपोर्ट पर सीएम ने एसआईआर अभियान की जानकारी ली। उन्हें बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की विधानसभाओं के मुकाबले शहरी क्षेत्र की विधानसभाओं में एसआईआर का काम पिछड़ा हुआ है। बैठक में मौजूद शहर पश्चिम विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी की ओर देखते हुए सीएम ने कहा कि आप सभी विधायक एसआईआर की प्रक्रिया पर अब पूरा समय दें। कार्यकर्ताओं को भी इसमें लगाएं। आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अफसरों को निर्देश दे गए कि माघ मेले से जुड़े सभी कार्य समय से पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि इस बार माघ मेले में भी महाकुंभ जैसी साफ-सफाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार शाम 5:15 बजे न्यू कैंट स्थित डीएसओआई परिसर में आयोजित वैवाहिक समारोह में शामिल होने पहुंचे। बमरौली एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह सड़क मार्ग से आयोजन स्थल पर पहुंचे। समारोह में शामिल होने के बाद शाम 5:35 बजे सड़क मार्ग से वह वापस एयरपोर्ट पहुंचे और लखनऊ के लिए उड़ान भरी। 20 मिनट के इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल, डीएम मनीष कुमार वर्मा,मेलाधिकारी ऋषि राज व कुछ अन्य अफसरों से माघ मेले की तैयारियों के बारे में बात की। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर में चले रहे कार्यों की जानकारी ली और समय से काम पूरा करने के निर्देश दिए। माघ मेले में स्वच्छता पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने रुके हुए विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ नए विकास कार्य शुरू करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेले से जुड़े कार्यों को पूरा करने के लिए 15 दिसंबर तक की समय सीमा निर्धारित की गई है। इसके बाद वह फिर से प्रयागराज आकर कार्यों की प्रगति का जायजा लेंगे।

इनरव्हील क्लब मुरादाबाद ईस्ट ने बच्चों को बांटे उपहार

भव्य सम्मान समारोह ने बच्चों और महिलाओं में बढ़ाया उत्साह

मुरादाबाद। सामाजिक सरोकारों को समर्पित इनरव्हील क्लब मुरादाबाद ईस्ट ने आज सेवा और उत्साह से भरपूर दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया। पहला कार्यक्रम दिव्या सरस्वती बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित हुआ, जहां क्लब की ओर से छात्राओं को स्वेटर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि के रूप में क्लब की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन शालिनी गुप्ता मौजूद रहीं। विद्यालय के प्रबंधक अनिल कुमार शर्मा ने क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह सभी आयोजन क्लब अध्यक्ष वीना रस्तोगी के कुशल नेतृत्व में संभव हो पाए हैं। उन्होंने कहा कि क्लब की सामाजिक गतिविधियाँ ब'चों और समाज के लिए प्रेरणादायक हैं,स्वेटर वितरण कार्यक्रम के बाद शाम को मानसरोवर पैराडाइज होटल में क्लब द्वारा एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन शालिनी गुप्ता का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम ने क्लब सदस्यों की एकजुटता, ऊर्जा और सामाजिक प्रतिबद्धता को बखूबी प्रदर्शित किया,समारोह की शुरुआत पुनीता और सविता द्वारा गर्मजोशी भरे स्वागत से हुई। इसके बाद अतिथियों का पारंपरिक श्फूलों की छंवश् (फूलों की चादर) से स्वागत किया गया, जिसे अलका विश्नोई, सुषभ सिंह, नीति मेहरोत्रा और दीपमाला ने सम्पन्न किया। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन शालिनी गुप्ता के विस्तृत परिचय का वाचन सीमा आर.सी. अग्रवाल ने किया। इसके पश्चात छमा गोयल, सपना अग्रवाल और चित्रा अग्रवाल ने इनरव्हील प्रेयर प्रस्तुत कर वातावरण को अनुशासित और सौहार्दपूर्ण बना दिया,कार्यक्रम में क्लब सदस्यों ने मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्राची दीक्षित ने आकर्षक वेलकम डांस प्रस्तुत किया, जबकि डॉ. लता चंद्रा और उनकी टीम ने ऑरेंज द वर्ल्ड थीम पर सामाजिक जागरूकता से भरपूर स्किट प्रस्तुत की, जिसने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण संदेश दिया,इसी क्रम में सरिता लाल ने डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन पर एक भावपूर्ण कविता पाठ किया, जिसे सभी ने सराहा। कार्यक्रम के अंत में क्लब अध्यक्ष ने कहा, ÷हमारा उद्देश्य केवल सामाजिक कार्य करना नहीं, बल्कि अपने सदस्यों में एकता और खुशी का संदेश फैलाना भी है। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन शालिनी गुप्ता की उपस्थिति हमारे लिए अत्यंत प्रेरणादायक है।पूरे दिन चले इन आयोजनों ने क्लब के सामाजिक दायित्वों और सदस्यता की शक्ति को एक बार फिर मजबूत तरीके से सामने रखा।

पहले नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्र नाथ टैगोर को दी गई श्रद्धांजलि

बहराइच।

पूरे देश में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को सुबह दस बजे दस मिनट अपने पूर्वजों स्वतंत्रता सेनानियों/ शहीदों को श्रद्धांजलि पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र गीत वन्देमातरम्, एवं राष्ट्र गान का गायन किया जाता है। उसी क्रम में आज स्थानीय सेनानी भवन सभागार बहराइच में अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन जिला इकाई बहराइच एवं श्रावस्ती के तत्वावधान में एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्र नाथ टैगोर के चित्र पर सेनानी उत्तराधिकारियों ने माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि, पुष्पांजलि अर्पित की। सेनानी उत्तराधिकारी गणों ने पहले गैर यूरोपीय नोबेल विजेता के रूप में पूरी दुनिया में भारत की साख बढ़ने के लिए टैगोर की भूरि भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश कार्यवाहक महामंत्री रमेश कुमार मित्र ने कहा कि रवीन्द्र नाथ टैगोर बाल विवाह और दहेज प्रथा जैसे सामाजिक बुराइयों के खिलाफ

आवाज उठाई,वे अपने 13 भाई बहनों में सबसे छोटे थे।

टैगोर जी एक कवि, लेखक, नाटककार, संगीतकार, दार्शनिक और समाज सुधारक थे। रवीन्द्र नाथ टैगोर ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में अपनी नाइटहुड की उपाधि लौटा दी, टैगोर के संगीत को रवीन्द्र संगीत कहा जाता है। जिला संगठन के संरक्षक एवं पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने कहा कि रवीन्द्र को कवीन्द्र कहा गया।वे एक प्रसिद्ध भारतीय कवि, लेखक, दार्शनिक और संगीतकार थे।वे भारतीय साहित्य में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। उनकी प्रसिद्ध रचनाओं में जन-गण-मन(भारत का राष्ट्र गान) और आमार सोनार बांग्ला (बांग्लादेश का राष्ट्र गान) शामिल है। उन्होंने बांग्ला साहित्य में गद्य और पद्य के नये रूपों को पेश किया। जिला संगठन के हुजूरपुर ब्लाक अध्यक्ष रवींद्र कुमार सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी ने उन्हें गुरूदेव की उपाधि दी। उन्होंने शांतिनिकेतन की स्थापना की जो एक प्रसिद्ध शैक्षिक संस्थान है। उनकी रचनाएं आज भी दुनिया भर में लोकप्रिय हैं 1913 में उन्होंने गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।

उनकी पत्नी मृणालिनी देवी से उनके पांच बच्चे हुए थे। साहित्य समाज और देश की सेवा की।अन्त में उपस्थित जनों ने जीवन के हर क्षेत्र में अपनी एक अमिट छाप छोड़ने और विश्व में भारत का परचम फहराने के लिए उन्हें साधुवाद देते हुए कार्यक्रम समाप्त किया। कार्यक्रम में संगठन उपाध्यक्ष रामदीन गौतम, परमजीत, रक्षा राम, विशेश्वर नाथ अवस्थी, तुलसी राम मौर्य, संगठन के जिला महामंत्री राजू मिश्र उर्फ मुन्ना भैया, यदुनाथ प्रसाद यादव, संगठन के विशेष कार्याधिकारी भानु प्रताप द्विवेदी एडवोकेट,अजय कुमार सिंह सहित तमाम सेनानी उत्तराधिकारी मौजूद रहे।

दुआ मां-बाप की जिसके खजाने में नहीं होती, उस इंसान....

हिन्दी साहित्य संगम ने आयोजित की मासिक काव्य-गोष्ठी

मुरादाबाद। साहित्यिक संस्था हिन्दी साहित्य संगम की ओर से संस्था के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ रचनाकार रामदत्त द्विवेदी के आवास पर मासिक काव्य-गोष्ठी का आयोजन किया गया। राजीव प्रखर द्वारा प्रस्तुत माँ शारदे की वंदना से आरंभ हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता रामदत्त द्विवेदी ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन राजीव प्रखर ने किया। इस संक्षिप्त कार्यक्रम में उपस्थित कवियों द्वारा विभिन्न सामाजिक विषयों को आधार बनाकर रचनाएं प्रस्तुत की गईं। काव्य-पाठ करते हुए राजीव प्रखर ने कहा- गाड़ी-गाड़ी खेल रहे हैं, कॉलोनी के ब'चे सारे। जैसे नभ में चमक रहे हों, नन्हें-नन्हें झिलमिल तारे। कवि मनोज मनु का कहना था- खूबतर तो है मगर ये फैसाला दोनो पे है, किस तरह की चाहिए आवो-हवा दोनो पे है। पंडित रवि चतुर्वेदी का कहना था - दुआ मां-बाप की जिसके खजाने में नहीं होती, उस इंसान की इ'जत जमाने में नहीं होती। वरिष्ठ रचनाकार योगेन्द्र वर्मा व्योम ने अपने भावों को शब्द देते हुए कहा ये शजर जाने क्या क्या कमाल रखता है, छाँव में अपनी सौ-सौ सवाल रखता है। झूठ, मक्कारी, धोखा, फरेब, अय्यारी शखूस वो खुद में क्या क्या बवाल रखता है। वरिष्ठ रचनाकार ओंकार सिंह ओंकार ने अपनी अभिव्यक्ति इस प्रकार की- कोई भी बलवंत नहीं है। होता जिसका अंत नहीं है।। हर मन दुखता है पीड़ा से,कभी दुखा क्या कंत नहीं है ? कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री रामदत्त द्विवेदी ने कहा - स्वप्न देखा है मैंने रात खुदा खैर करे। हो गए कष्ट के हालात, खुदा खैर करे। रामदत्त द्विवेदी द्वारा आभार-अभिव्यक्ति के साथ कार्यक्रम समापन पर पहुँचा।

शिक्षकों ने मनाया पेंशन संकल्प दिवस

पेंशन शहीद स्वर्गीय रामाशीष सिंह को अर्पित की श्रद्धांजलि

फतेहपुर।

अटेवा पेंशन बचाओ मंच फतेहपुर के तत्वावधान में पेंशन शहीद स्व. रामाशीष सिंह की शहादत दिवस को पेंशन संकल्प दिवस के रूप में जिला संयोजिका असफिया मजहर की अध्यक्षता में मनाया गया। सभी पेंशन बिहीन शिक्षक/ कर्मचारियों ने पटेल नगर चौराहे पर एकत्र होकर एक श्रद्धांजलि सभा की तथा स्वर्गीय रामाशीष के तैल चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण कर नमन किया। सभा में बोलते हुए विमलेश कुमारी ने कहा कि स्वर्गीय रामाशीष सिंह जी जिस OPS आंदोलन में शहीद हुए हैं। हम उस आंदोलन को तन ,मन, धन से लड़ेंगे और एक दिन अवश्य पुरानी पेंशन बहाल कराएंगे। बाबूलाल पाल अध्यक्ष पंचायती राज विभाग सफाई कर्मचारी संघ फतेहपुर ने सभी कर्मचारियों से आवाहन किया की पेंशन हमारा संवैधानिक हक है हम इसे हर हाल में लेकर रहेंगे। विनीता मौर्य ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाल कराना ही स्वर्गीय रामाशीष सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।वे जिस उद्देश्य के लिए बलिदान हुए थे उसे हम सबको हर हाल में बहाल कराना ही होगा। देवेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि सरकारें आती जाती रहेगी लेकिन हमारा आंदोलन नहीं रुकेगा जब तक कि हमारी OPS बहाल नहीं हो जाती । महेंद्र मौर्य जिला महामंत्री अटेवा ने सभी को सूचित किया कि 25 दिसंबर 2025 को जिला एवं ब्लाक कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई है ।जो विद्या निकेतन इंटर कॉलेज फतेहपुर में होगी । सभी शिक्षक कर्मचारी साथियों ने सभा के बाद स्वर्गीय रामाशीष सिंह के नाम पर एक-एक कैंडल जलाकर पटेल चौराहे में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर रखी आज की श्रद्धांजलि सभा में प्यारेलाल ,मुकेश मौर्य ,उदित कुमार सचान, महेंद्र सिंह ,अरविंद विश्वकर्मा,अनिल सविता, अजय पाल,नीलम सिंह, अर्चना अजय कुमार, रमेश चंद्र सविता आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

टीएमयू मेडिकल प्रीमियर लीग का शंखनाद

मुरादाबाद।

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद में टीएमयू मेडिकल प्रीमियर लीग- टीएमपीएल टेनिस बॉल क्रिकेट का शंखनाद हो गया। इस नौ दिनी टीएमपीएल का शुभारंभ एसएसपी सतपाल अंतिल ने टॉस करके किया। पंद्रह ओवर के टीएमयू एयरवे अवेंजर्स और टीएमयू टोर्रेडो के बीच हुए मैच में टीएमयू एयरवे अवेंजर्स के कप्तान डॉ. अंकुर सिंह ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। ओपनिंग मौके पर डीएम अनुज सिंह, मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, भारत सरकार के 'वाइंट सेक्रेटरी डॉ. शोभित जैन के अलावा कुलाधिपति सुरेश जैन,जीवीसी मनीष जैन, वीसी प्रो. वीके जैन, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. एनके सिंह की भी उल्लेखनीय मौजूदगी रही। अतिथियों ने गुब्बारे उड़ाकर और ट्रॉफी का अनावरण भी किया और खिलाड़ियों का परिचय लिया। टीएमयू टोर्रेडो ने छह विकेट गंवाकर 132 रनों का लक्ष्य दिया,लेकिन टीएमयू एयरवे अवेंजर्स टीम ने पांच विकेट खोकर तीन ओवर पहले ही 132 का लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लिया। इस जीत का श्रेय एमएमबीएस के स्टुडेंट

एयरवे अवेंजर्स और टीएमयू टोर्रेडो के बीच 15 ओवर के मैच में अवेंजर्स टीम पांच विकेट से जीती

अभय प्रताप सिंह के सिर बंधा। अभय ने 22 बॉल्स पर 54 रन बनाकर अपनी टीम को विजयश्री दिला दी। उन्होंने उत्कृष्ट बल्लेबाजी करके दो चक्के और छह छक्के मारे और मैन ऑफ दी मैच घोषित किए गए। अंततः टीएमयू एयरवे अवेंजर्स टीम पांच विकेट से जीत गई। टीएमयू के क्रिकेट मैदान पर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भी खूब शॉट जड़कर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी ने पहले बोलिंग की, तो वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने शॉट जड़े। इसके बाद विवि के जीवीसी श्री मनीष जैन की बोलिंग पर जिलाधिकारी ने शानदार बैटिंग की।

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, चाइनीज लिंक से चल रहे साइबर सिंडिकेट का भंडाफोड़; दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। चाइनीज लिंक से चल रहे एक साइबर सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच ने दो आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने बेल क्रेस्ट नाम से नकली फर्म खोलकर फर्म के नाम पर बैंक खाता खुलवा साइबर सिंडिकेट को बैंक खाता व सिमकार्ड सौंप दिया था। इसके एवज में दोनों चाइनीज सिंडिकेट से 20 हजार रुपये महीना कमीशन ले ही रहे थे साथ ही ठगी की रकम के पांच प्रतिशत कमीशन भी लेते थे। 61 वर्षीय एक बुजुर्ग नागरिक से निवेश के नाम पर 33.10 लाख रुपये ठगी करने के मामले में पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों के नाम शिवम सिंह (फैजाबाद, यूपी) व लक्ष्य (दिल्ली) है। दोनों फर्जी फर्म बेल क्रेस्ट इंडिया प्रा.लि. में डायरेक्टर बन गए थे। इनकी फर्जी कंपनी व बैंक खातों का इस्तेमाल कई ठगी में किए जाने की आशंका है। वरिष्ठ नागरिक द्वारा कराई गई ई-एफआइआई की जांच से दोनों को गिरफ्तार किया गया। जांच में फर्जी फर्मों का पता लगाने व आरोपितों तक पहुंचने में पुलिस कामयाब रही। टेक्निकल जांच से पता चला कि ठगे गए पैसे फर्जी कंपनी बेल क्रेस्ट के कई सेकंड-लेयर बेनिफिशियरी अकाउंट के जरिये भेजे गए थे। इस कंपनी में शिवम सिंह व लक्ष्य बतौर डायरेक्टर बने हुए थे। कंपनी से जुड़े खाते में 10.38 लाख आने का पता चला। जांच के बाद पहले लक्ष्य को गिरफ्तार किया गया। उसने नकली बेल क्रेस्ट फर्म खोलने, बैंक अकाउंट बनाने और सह आरोपित शुभम और दूसरों को 20 हजार महीने के कमीशन पर बैंक किट और सिमकार्ड देने की बात कुबूल की। इंस्पेक्टर अशोक की टीम ने शुभम का पता लगाने के लिए दिल्ली एनसीआर में कई जगहों पर छापे मारे लेकिन पहले वह पुलिस के पहुंचने से पहले भाग जाता था। पुलिस से बचने के लिए बार बार सिमकार्ड भी बदल लेता था। काफी कोशिश करने के बाद अंततः शुभम को छह दिसंबर को तिलक नगर से पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से एक लैपटाप, दो मोबाइल, पांच चेकबुक, छह डेबिट कार्ड बरामद किए गए। पूछताछ में शुभम ने बताया कि वह एक हैंडलर के साथ काम करता था, जो शेल कंपनियों के तीसरे और चौथे लेयर के खाते उपलब्ध कराता था, जिनमें सीएसपी 24 सेवन टेक्नोलाजी, लेविन फिनटेक, इको इंडिया, रिनोवा प्राइवेट लिमिटेड, मनी वेल प्राइवेट लिमिटेड, ईजी मुद्रा प्राइवेट लिमिटेड, लावी साफ्टवेयर एंड टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड आदि कंपनियां शामिल थीं। उसने यह भी बताया कि उसमें क्रिप्टोकरेंसी भी लेकर उसे चीन की कंपनी कूल पे को बेच दिया गया।

काम करने का तरीका

-चाइनीज कंपनी कूल पे ने फर्स्ट लेयर बेनिफिशियरी अकाउंट से फंड बेल क्रेस्ट के अकाउंट में ट्रांसफर किए।

-पैसे को मल्टी-लेयर बैंक अकाउंट के जरिये भेज दिया गया।

-पैसे का इस्तेमाल प्राइवेट वेंडर से क्रिप्टो करेंसी खरीदने के लिए किया गया।

हादसा-गोवा के नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट से 25 की मौत

गोवा अग्निकांड : नाइटक्लब का मैनेजर गिरफ्तार, मालिक की तलाश में वारंट जारी

नई दिल्ली। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने जानकारी दी है कि रविवार को एक नाइटक्लब में लगी भीषण आग के सिलसिले में उस क्लब के जनरल मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि क्लब, जिसका नाम द बर्च बाय रोमियो लेन है, उसके मालिक के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री सावंत ने पुष्टि की कि यह दर्दनाक घटना देर रात करीब 12 बजे हुई। उन्होंने बताया, आग लगने की वजह से कई लोग (नाइटक्लब से) बाहर नहीं निकल पाए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई। इस हादसे में 25 लोगों के मारे जाने और छह अन्य के घायल होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया

कि घायल लोग फिलहाल खतरे से बाहर हैं और उनका इलाज गोवा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

सावंत ने बताया कि स्थिति का जायजा लेने के लिए उन्होंने रात करीब 2 बजे घटना वाली जगह का दौरा किया। उन्होंने इस मामले में मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने इस घटना को गोवा के इतिहास में पहली बार हुई ऐसी घटना बताया।

4 टूरिस्ट समेत 18 लोगों के शवों की पहचान की गई

सुरक्षा नियमों की अनदेखी की होगी जांच

जब मुख्यमंत्री से पूछा गया कि क्या नाइटक्लब में लगी आग लापरवाही का नतीजा थी, तो उन्होंने कहा कि इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं।

जांच में यह पता लगाया जाएगा कि नाइटक्लब ने आग से सुरक्षा के नियमों का ठीक से पालन किया था या नहीं।

रविवार को भी 650 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड ने एक संकट प्रबंधन समूह (सीएमजी) का गठन किया है, जो हालात की निगरानी के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहा है। एयरलाइन ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि कंपनी का निदेशक मंडल ग्राहकों को हो रही परेशानियों का समाधान करने और यात्रियों को रिफंड सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। एक दिन पहले इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ इसिड्रो पोरकेरस को नागर विमानन विभाग (डीजीए) ने नोटिस जारी कर बड़े पैमाने पर उड़ान बाधाओं को लेकर 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा था। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शनिवार को कहा कि एयरलाइन की उड़ान बाधाओं के मामले में प्राधिकरण जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई करेंगे। इंडिगो ने एक बयान में कहा, इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड (इंडिगो) के निदेशक मंडल की बैठक उसी दिन हुई, जिस दिन रद्दीकरण और विलंबित उड़ानों की समस्या सामने आई।

***रात 8 बजे तक पैसा रिफंड करने के निर्देश; सरकार ने पूछा- बताएं आप पर एक्शन क्यों न हो**

***इंडिगो के बोर्ड ने संकट प्रबंधन समूह का गठन किया, हालात की नियमित निगरानी जारी : एयरलाइन**

सदस्यों को प्रबंधन की ओर से संकट की प्रकृति और दायरे पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस बैठक के बाद बोर्ड ने संकट प्रबंधन समूह (सीएमजी) गठित करने का निर्णय लिया गया, जिसमें चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता, निदेशक मंडल के सदस्य ग्रेग सारेट्स्की, माइक व्हिटेकर और अमिताभ कांत, तथा सीईओ पीटर एल्बर्स सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। बयान के अनुसार यह समूह हालात की निगरानी के लिए नियमित रूप से बैठक कर रहा है और सामान्य संचालन बहाल करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी प्रबंधन द्वारा लगातार दी जा रही है।

इंडिगो संकट पर मंत्री राम मोहन नायडू ने राहुल गांधी पर पलटवार किया

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन में चल रही उड़ानों की गड़बड़ी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मोनोपोली मॉडल के आरोप का कड़ा जवाब दिया है। मंत्री ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है, बल्कि यह जनता से जुड़ा मुद्दा है। मंत्री नायडू ने जोर देकर कहा कि सरकार ने हमेशा एविएशन सेक्टर में ज्यादा प्रतिस्पर्धा लाने की कोशिश की है। उन्होंने बताया, हमने लीजिंग कॉस्ट (किराए की लागत) कम करने के लिए कानून भी बनाए, ताकि ज्यादा विमान बेड़े में शामिल हो सकें। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि अगर वह पूरी जानकारी के साथ बात करते तो बेहतर होता। मंत्री ने कहा कि देश में हवाई यात्रा की मांग बढ़ रही है, इसलिए यह सेक्टर में नए लोगों के आने का अच्छा मौका है, जिसे सरकार भी

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर आज संसद में चर्चा, लोकसभा में पीएम मोदी करेंगे शुरुआत

नई दिल्ली।

संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। वहीं, वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर 8 दिसंबर को संसद में खास बहस का आयोजन किया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय गीत से जुड़े कई अहम और ऐतिहासिक तथ्यों को सदन में रखा जाएगा, जिनके बारे में बहुत कम लोगों के पता है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को दोपहर 12 बजे लोकसभा में बहस की शुरुआत करेंगे। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ अंतिम भाषण के साथ बहस का समापन करते नजर आएंगे। राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा चर्चा शुरू करने की संभावना है। संसद में वंदे मातरम पर बहस के दौरान कांग्रेस के 8 नेता भी सदन में अपनी बात रखेंगे। इस लिस्ट में लोकसभा के उप नेता प्रतिपक्ष गौरव गोगोई, प्रियंका वाड्रा, दीपेंद्र हुड्डा,

कांग्रेस के 8 नेता भी बहस में लेंगे हिस्सा

बिमोल अकोइजाम, प्रणीति शिंदे, प्रशांत पडोले, चमाला रेड्डी और ज्योत्सना महंत का नाम शामिल है। बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र का आगाज 1 दिसंबर से हुआ था, जो 19 दिसंबर तक चलेगा। वहीं, 7 नवंबर को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई थी। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम को पहली बार 7 नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। 1882 में यह गीत बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना था। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीत का रूप दिया और आजादी की लड़ाई में यह स्वतंत्रता सेनानियों के लिए नारा बन गया। 24 जनवरी 1950 को भारत सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दे दिया था।

यूपी में दबाव में काम कर रहे बीएलओ , अजय राय ने एसआईआर का समय 6 महीने बढ़ाने की मांग की

कानपुर।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि केरल जैसे राज्य में भी एसआइआर का समय सात दिन ही बढ़ाया गया है, उत्तर प्रदेश तो उससे कई गुणा बड़ा है। प्रदेश में 16 करोड़ मतदाता हैं। एसआइआर का समय छह माह बढ़ाया जाना चाहिए। प्रदेश में बीएलओ तनाव में आत्महत्या कर रहे हैं, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने रविवार को पूर्व कोयला मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल के पोखरपुर स्थित आवास पर जाकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विरोधी मतदाताओं के नाम काटने का दबाव बीएलओ पर बनाया जा रहा है। उन्हें बाकायदा भाजपा को वोट न देने वालों की सूची दी गई है। काम के दबाव में बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं। हाल ही में फतेहपुर में एक बीएलओ ने आत्महत्या कर ली। उनके स्वजनों ने कई तरह के पर्दाफाश किए हैं। टैलेंट हंट के माध्यम से कांग्रेस युवाओं को राजनीति में आने का मौका दे रही है। इन्हें प्रशिक्षित कर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर प्रवक्ता और अन्य तरह की जिम्मेदारियां दी जाएंगी। क्या कांग्रेस को अपने पुराने या पहले से काम कर कार्यकर्ताओं पर विश्वास नहीं रह गया है के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, पुराने कार्यकर्ता किनारे नहीं किए जा रहे हैं। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन में ही युवाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस युवाओं को प्राथमिकता देगी। इस दौरान महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता और ग्रामीण इकाई अध्यक्ष संदीप शुक्ला मौजूद रहे।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह को बिश्नोई गैंग ने दी धमकी

नई दिल्ली। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह को बिश्नोई गैंग की ओर से धमकी दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमकी फोन कॉल के जरिए दी गई, जिसमें पवन सिंह से कहा गया कि वे सलमान खान के साथ किसी भी कार्यक्रम या मंच पर प्रदर्शन न करें। इसके साथ ही मोटी रकम की मांग भी की गई। इस घटना ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री और उनके फैंस की चिंता बढ़ा दी है। पवन सिंह की सुरक्षा को लेकर उनके करीबी सूत्र सतर्क हैं। बता दें कि बिग बॉस के फिनाले में शामिल होने से ठीक पहले पवन सिंह को यह धमकी मिली है। कॉल करने वाले ने खुद को बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया है। कॉल में कहा गया कि सलमान खान के साथ अगर मंच साझा किया तो आगे कभी काम नहीं कर पाएंगे। धमकी भरा कॉल आने के बाद पवन सिंह की टीम ने सुरक्षा एजेंसियों को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने मोबाइल नंबर और कॉल डिटेल्स के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

आस्था सही, पर राम पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, बाबरी मस्जिद की नींव पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

कोलकाता। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार को सनातन संस्कृति संसद द्वारा लोकखो कंठे गीता पाठ (लाखों कंठों से गीता पाठ) का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 5 लाख से ज्यादा लोगों ने एक साथ पवित्र भगवत गीता का पाठ किया, जिससे आस्था और उत्साह का माहौल बन गया। इस कार्यक्रम में शामिल हुए बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस आयोजन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, आज, पश्चिम बंगाल के कोलकाता की पवित्र भूमि पर 500,000 लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। उत्साह और आस्था की लहर देखकर ऐसा लगा जैसे कोलकाता में महाकुंभ मेला लगा हो।

उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म की एकता ही इस देश और दुनिया के लिए विश्व शांति का सबसे बड़ा साधन है। शास्त्री ने जोर देकर कहा, भारत में, हम सनातन चाहते हैं, तनातनी नहीं। भारत में, हम भगवा-ए-हिंद चाहते हैं, गजवा-ए-हिंद नहीं। मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर द्वारा रखी गई बाबरी मस्जिद की नींव के पत्थर पर भी धीरेंद्र शास्त्री ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अगर किसी की ऐसी आस्था है, तो वह अपनी आस्था के अनुसार इसे स्वीकार कर सकता है। इसमें कोई गलती या अपराध नहीं है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, लेकिन कोई भी हमारे भगवान राम पर टिप्पणी नहीं कर सकता।

मांस से भरे दो कंटेनर पकड़े, एफएसएल टीम और डॉक्टर कर रहे जांच; गोरक्षक-हिंदू संगठनों के जुटने से तनाव

भरतपुर। भरतपुर के सेवर थाना क्षेत्र में रविवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मांस से भरे दो कंटेनरों को कब्जे में लिया। जानकारी सामने आने के बाद थाने के बाहर भारी भीड़ जुट गई, जिसमें गौ-रक्षक और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल थे। भीड़ की ओर से दावा किया गया कि कंटेनरों में गौ-मांस भरा हुआ है, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल एफएसएल टीम और पशु चिकित्सक विभाग को विस्तृत जांच के लिए बुलाया। जांच दल के पहुंचते ही कंटेनरों की सील तोड़ी गई और मांस के सैंपल लिए गए। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जा रही है ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में तथ्य स्पष्ट रह सकें। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मांस किस प्रकार का है, यह केवल रिपोर्ट आने के बाद ही प्रमाणिक रूप से कहा जा सकेगा। सेवर सीओ ग्रामीण कन्हैयालाल ने बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली थी कि मथुरा से भरतपुर की ओर दो कंटेनर मांस लेकर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही कंटेनरों को रोककर थाने में खड़ा कराया गया। उन्होंने कहा कि एफएसएल और पशुपालन विभाग की टीम सैंपल की जांच कर रही है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में यह भी सामने आया है कि दोनों कंटेनर बरेली से मुंबई की ओर जा रहे थे और इनमें बड़ी मात्रा में मांस लदा हुआ था। पुलिस ने भीड़ की बढ़ती संख्या को देखते हुए थाने के बाहर अतिरिक्त जाब्ता तैनात कर दिया है, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था या तनावपूर्ण स्थिति न बन सके। वर्तमान में सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट होगा कि कंटेनरों में बरामद मांस प्रतिबंधित गौ-मांस है या सामान्य भैंस/बकरे का मांस।

जेल में आजम खान की बिगड़ी तबीयत, इलाज से किया इनकार, बिना चेकअप वापस लौटी डॉक्टर्स की टीम

रामपुर। रामपुर से सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की तबीयत अचानक से बिगड़ गई है. तबीयत बिगड़ने की सूचना पर जिला अस्पताल से भेजी गई तीन डॉक्टरों की टीम उन्हें देखने जेल पहुंची, लेकिन आजम खान ने मेडिकल जांच कराने से इनकार कर दिया. जेल प्रशासन ने जिला अस्पताल प्रबंधक को पत्र भेजकर तीन विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मांगी थी. इसके बाद जिला अस्पताल ने एक सर्जन, एक फिजिशियन और एक ऑप्थेल्मिक विशेषज्ञ की टीम जेल भेजी. सपा नेता की तबीयत बिगड़ने के बाद जेल प्रशासन ने डॉक्टरों की टीम को सूचना दी थी. इस बीच जेल में डॉक्टरों की टीम पहुंची तो आजम खान ने जांच कराने से मना कर

दिया, जिसके बाद टीम बिना परीक्षण किए वापस लौट आई. आजम खान ने टीम से अपना इलाज कराने से इनकार कर दिया. जेल प्रशासन ने जिला अस्पताल के प्रबंधक को पत्र लिखकर सपा नेता की तबीयत खराब होने की सूचना दी थी. जिसके बाद प्रबंधक ने जेल प्रशासन के पत्र पर डॉक्टरों की टीम को जेल में भेजा था. जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ. वी.सी. सक्सेना ने बताया कि जेल द्वारा आजम खान के चिकित्सीय परीक्षण हेतु टीम मांगी गई थी. टीम को भेजा भी गया, लेकिन उन्होंने दिखाने से मना कर दिया. बताया जा रहा है कि आजम का बिना इलाज करे जेल से डॉक्टरों की टीम वापस लौट गई है. बता दें कि फर्जी पैन कार्ड वाले में आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को 7 साल की सजा सुनाई गई है. दोनों ही रामपुर की जेल में बंद है. कुछ दिन पहले ही अब्दुल्ला आजम के वकील ने बताया था कि आजम खान की तबीयत खराब है. जिसकी वजह से वह उनसे नहीं मिल पाए. वकील ने यह भी बताया था कि सपा नेता बैरक से निकलकर नहीं आ पाए.

हरियाणा में जल्द दी जाएंगी युवाओं को बड़ी संख्या में नौकरियां-मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में जल्द ही विभिन्न विभागों में भर्तियां की जाएंगी। जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। इसके लिए सरकार द्वारा तैयारियां की जा रही है। बिना पर्ची-खर्ची के नौकरी वाली भाजपा सरकार आमजन के हितों की सच्ची रक्षक है। इसी के तहत बिना किसी भेदभाव के मेरिट आधार पर नौकरी दी जाती है और हमारे लिए यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी लोकसभा में इस बात का जिक्र किया था। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कैथल के आरकेएसडी कॉलेज में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे

***प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में गंभीरता से काम कर रही है हरियाणा सरकार**

***स्वदेशी मेलों के माध्यम से किया जा रहा है स्वदेशी उत्पादकों को मजबूत बारिश व बाढ़ से खराब हुई सड़कों को जल्द किया जाएगा दुरुस्त**

***कैथल से ही आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत स्वदेशी रथयात्रा को दिखाई हरी झंडी**

थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में डबल इंजन सरकार उनके आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। प्रधानमंत्री मोदी का आह्वान है कि यदि देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है, उसका रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर जाएगा। इसलिए सभी से अनुरोध है कि भारत निर्मित वस्तुएं ही बेचें और खरीदें। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की यह पहचान है कि वह युवाओं सहित प्रदेश के लोगों के हितों की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने चुनाव से पूर्व 217 संकल्प लिए थे। जिनमें से बड़ी खुशी की बात है कि 50 संकल्प पूरे कर दिए हैं। जल्द ही 90 संकल्प और पूरे कर दिए जाएंगे। सरकार बनते ही हरियाणा में बहनों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया गया। साथ ही बहनों को 2100 रुपये की पेंशन के रूप में देकर लाडो लक्ष्मी योजना के वायदे को पूरा किया गया। योजना के तहत बहनों को दो किस्त दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि पात्र गरीब लोगों को प्लाट दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही सोनीपत में 550 लोगों को फ्लैट देने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि बारिश में जो सड़क टूट गई हैं, उन्हें ठीक किया जा रहा है। इस साल के अंत तक सभी ऐसी टूटी हुई सड़कें ठीक करवा दी जाएंगी। इसके लिए छह विभागों के बीच तालमेल बनाकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज पूरे देश में आमजन के हित में सरकार इस तरह से काम कर रही है कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। इसलिए विपक्ष झूठ फैलाने का काम करते हैं। भाजपा कार्यकर्ता सरकार की नीतियों को आमजन तक पहुंचाएं और झूठ का पर्दाफाश करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि सभी कार्यकर्ता मन की बात सुनें और गांव के बुजुर्ग को उसमें अध्यक्ष बनाकर उनका मान-सम्मान करें। पौधारोपण भी करवाएं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कैथल के आरकेएसडी कॉलेज से आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत स्वदेशी रथयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उनके साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी सहित कई बड़े नेता मौजूद रहे। इससे पूर्व मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा प्रदेश के कोने कोने तक पहुंचकर स्वदेशी भारत की अलख जगाएगी और 24 दिसंबर तक यह यात्रा चलेगी। हरियाणा सरकार द्वारा स्वदेशी मेले लगाए जा रहे हैं। पंचकूला और फरीदाबाद में ऐसे मेलों का आयोजन किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि इस आत्मनिर्भर भारत को एक जन आंदोलन बनाएं। हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक जीवन में स्वदेशी को अपनाएं। हम आत्मनिर्भर हरियाणा से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करेंगे। विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरेगा।